



MyBookswala

Free Mock Tests & Current Affairs

Current Course Mock Tests

Study Materials

Latest Notifications

Courses Blogs

BOOST YOUR PREPARATION AND TAKE ONLINE MOCK TESTS FOR GOVERNMENT EXAMS LIKE SSC, RRB, PCS(J), CA FOUNDATION MATH SOLUTION, CA FOUNDATION MOCK TEST AND MORE IBPS PRELIMINARY EXAMINATIONS. WE KEEP STUDENT UPDATED WITH LATEST STUDY MATERIAL. CHOOSE YOUR EXAM AND GET STARTED.



Q1. Which city is the venue of the 2nd National Conference of Micro Missions of National Police Mission (NPM)?

राष्ट्रीय पुलिस मिशन (एनपीएम) के माइक्रो मिशनों के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन का स्थान कौन सा शहर है?

- a) Pune
- b) Hyderabad
- c) Bangaluru
- d) **New Delhi** ✓

NOTES: The 2nd National Conference of Micro Missions of National Police Mission (NPM) has started in New Delhi on 7th of February 2019, which is organized by Bureau of Police Research & Development (BPR&D). The two day Conference will discuss the issues of Skills and Competence at the grass-root level, Attitudinal Changes in Police, Gender Sensitization, harnessing technology and Community Policing. A mega-d version of NPM Compendium on the projects developed by the Mission will also be released. The NPM awards will be given to 09 officers for their contribution in Micro Missions and successful preparation of the implementable projects. NPM Division of BPRD strives to transform the Police Forces of the country into an effective instrument for the maintenance of Internal Security. To achieve the mandate of NPM, 8 micro missions are working under BPRD. BPRD organizes Conference on National Police Mission annually.

7 फरवरी 2019 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय पुलिस मिशन (एनपीएम) के माइक्रो मिशनों का दूसरा राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू हुआ है, जो ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट (बीपीआर एंड डी) द्वारा आयोजित किया गया है। दो दिवसीय सम्मेलन में जमीनी स्तर पर कौशल और क्षमता के मुद्दों, पुलिस में एटिट्यूडिनल चेंजेस, जेंडर सेंसिटाइजेशन, तकनीक और कम्युनिटी पुलिसिंग पर चर्चा होगी। मिशन द्वारा विकसित परियोजनाओं पर एनपीएम कम्पेंडियम का एक मेगा-डी संस्करण भी जारी किया जाएगा। माइक्रो मिशनों में उनके योगदान और कार्यान्वयन योग्य परियोजनाओं की सफल तैयारी के लिए 09 अधिकारियों को एनपीएम पुरस्कार दिए जाएंगे। बीपीआरडी का एनपीएम डिवीजन देश के पुलिस बलों को आंतरिक सुरक्षा के रखरखाव के लिए एक प्रभावी साधन में बदलने का प्रयास करता है। एनपीएम के अधिदेश को प्राप्त करने के लिए, 8 माइक्रो मिशन बीपीआरडी के तहत काम कर रहे हैं। BPRD प्रतिवर्ष राष्ट्रीय पुलिस मिशन पर सम्मेलन आयोजित करता है।

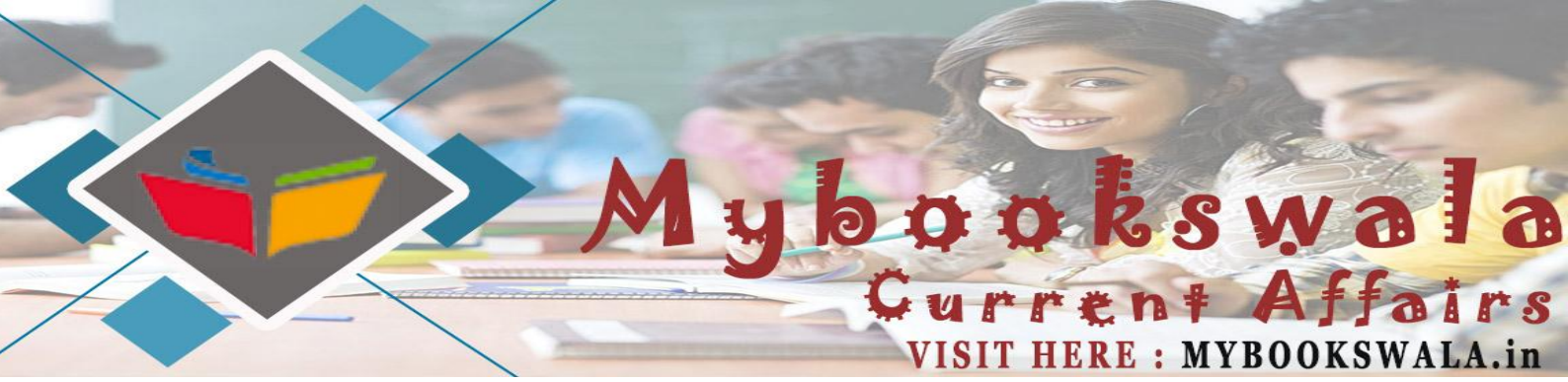
Q2. The Rashtriya Kamdhenu Aayog (RKA) would be set up for ___?

राष्ट्रीय कामधेनुयोग (आरकेए) ___ के लिए स्थापित किया जाएगा?

- a) Conservation of Cows
- b) Protection of Cows
- c) Progeny of Cows
- d) **All of the above** ✓

NOTES: The Union Cabinet has approved the proposal for the establishment of Rashtriya Kamdhenu Aayog (RKA) for conservation, protection and development of cows and their progeny. It will lead to the development of the cattle population in the country including the development and conservation of indigenous breeds. It will result in the growth of the livestock sector which is more inclusive, benefit women, and small and marginal farmers. The Aayog will work in collaboration with Veterinary, Animal Sciences or Agriculture University or departments or organizations of the Central or State Government engaged in the task of research in the field of breeding and rearing of the cow, organic manure, biogas, etc. Rashtriya Kamdhenu Aayog was announced in the Union Budget 2019-20 on the 1st of this month.

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गायों के संरक्षण, संरक्षण और विकास और उनकी संतानों के लिए राष्ट्रीय कामधेनुयोग (आरकेए) की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इससे देश में मवेशियों की आबादी का विकास होगा, जिसमें देशी नस्लों का विकास और संरक्षण भी शामिल है। यह पशुधन क्षेत्र के विकास में परिणाम देगा जो अधिक समावेशी है, महिलाओं को लाभान्वित करता है, और छोटे और सीमांत किसानों को। Aayog पशु चिकित्सा, पशु विज्ञान या कृषि विश्वविद्यालय या केंद्र या राज्य सरकार के विभागों या संगठनों के साथ मिलकर गाय के प्रजनन और पालन के क्षेत्र में काम करेगा, जैविक खाद, बायोगैस, आदि कामधेनु। इस महीने की पहली तारीख को केंद्रीय बजट 2019-20 में ऐयोंग की घोषणा की गई थी।



Q3. Which project has been launched by Union Government to study Apparel Consumption in India?

भारत में परिधान उपभोग का अध्ययन करने के लिए केंद्र सरकार ने कौन सी परियोजना शुरू की है?

- a) India Apparel
- b) **India Size** ✓
- c) India Attire
- d) India Outfit

NOTES: In Mumbai, the India Size project has recently launched by the Union Minister of Textiles Smriti Irani. It's a first-of-its-kind project in the history of the country, which aims to arrive at a standard Indian Size for the ready-to-wear clothing industry, on the lines of the standardized sizes available in countries such as the USA, the UK and Mexican. A size chart that is specific to Indian consumers' measurements will be developed. The project is being undertaken by the Ministry of Textiles, in collaboration with The Clothing Manufacturers Association of India (CMAI). The Minister also launched a Study of Apparel Consumption in India. The report of this study would be ready for release by July 2019. Under India Size, an all-India anthropometric study of measurements of the average Indian apparel consumer will be undertaken. The study will include an analysis of close to 25,000 consumers spread over various age groups, and covering the cities of Mumbai, Delhi, Chennai, Hyderabad, Kolkata, and Shillong. This will enable the study to cover all important regions of the country.

मुंबई में, भारत आकार परियोजना को हाल ही में केंद्रीय कपड़ा मंत्री स्मृति ईरानी ने लॉन्च किया है। यह देश के इतिहास में अपनी तरह की पहली परियोजना है, जिसका उद्देश्य संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देशों में उपलब्ध मानकीकृत आकारों की तर्ज पर रेडी-टू-वियर कपड़े उद्योग के लिए एक मानक भारतीय आकार में पहुंचना है, ब्रिटेन और मैक्सिकन। एक आकार चार्ट जो भारतीय उपभोक्ताओं के माप के लिए विशिष्ट है, विकसित किया जाएगा। वस्त्र मंत्रालय द्वारा भारत के वस्त्र निर्माता संघ (CMAI) के सहयोग से यह परियोजना शुरू की जा रही है। मंत्री ने भारत में परिधान उपभोग का एक अध्ययन भी शुरू किया। इस अध्ययन की रिपोर्ट जुलाई 2019 तक जारी करने के लिए तैयार होगी। भारत के आकार के तहत, औसत भारतीय परिधान उपभोक्ता के माप का एक अखिल भारतीय मानवविज्ञान अध्ययन किया जाएगा। अध्ययन में विभिन्न आयु समूहों में फैले करीब 25,000 उपभोक्ताओं का विश्लेषण शामिल होगा, और मुंबई, दिल्ली, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता और शिलांग के शहरों को कवर किया जाएगा। यह अध्ययन को देश के सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों को कवर करने में सक्षम करेगा।

Q4. Which country has recently signed NATO accession agreement?

हाल ही में किस देश ने नाटो परिग्रहण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं?

- a) Romania
- b) Croatia
- c) **Macedonia** ✓
- d) Kosovo

NOTES: On 6th February, Macedonia signed an accord to join NATO to become the 30th member of the US-led alliance. The admittance of a new member highlighted that all European nations who meet the entrance criteria could join the regional alliance. However, Moscow has continually rejected NATO's position, saying that by taking in Balkan members, the alliance is undermining security in the region. The Macedonia-NATO accord follows a deal with Greece ending a 27-year-old dispute over Macedonia's name. The accord must now be ratified by allied governments. The move followed a deal between Macedonia and NATO-member Greece under which Macedonia agreed to change its name to the Republic of North Macedonia. North Macedonia will formally join the alliance in 2020.

6 फरवरी को, मैसिडोनिया ने अमेरिकी नेतृत्व वाले गठबंधन के 30 वें सदस्य बनने के लिए नाटो में शामिल होने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए। एक नए सदस्य के प्रवेश ने इस बात पर प्रकाश डाला कि सभी यूरोपीय राष्ट्र जो प्रवेश मानदंडों को पूरा करते हैं, क्षेत्रीय गठबंधन में शामिल हो सकते हैं। हालांकि, मास्को ने नाटो की स्थिति को लगातार खारिज कर दिया है, यह कहते हुए कि बाल्कन सदस्यों में लेने से, गठबंधन क्षेत्र में सुरक्षा को कम कर रहा है। मैसिडोनिया-नाटो समझौते में ग्रीस के साथ मैसिडोनिया के नाम पर 27 साल पुराने विवाद को समाप्त करने के लिए एक सौदा है। इस समझौते को अब संबद्ध सरकारों द्वारा पुष्टि की जानी चाहिए। इस कदम के बाद मैसिडोनिया और नाटो के सदस्य ग्रीस के बीच एक सौदा हुआ जिसके तहत मैसिडोनिया ने अपना नाम बदलकर रिपब्लिक ऑफ नॉर्थ मैसिडोनिया करने पर सहमति व्यक्त की। उत्तर मैसिडोनिया औपचारिक रूप से 2020 में गठबंधन में शामिल हो जाएगा।



MyBooksWala

Current Affairs

VISIT HERE : MYBOOKSWALA.in

Q5. The 462nd Kandoori festival 2019 has celebrated in which of the following states?

462 वां कंदूरी उत्सव 2019 निम्नलिखित में से किस राज्य में मनाया गया है?

- a) Tamil Nadu ✓
- b) Andhra Pradesh
- c) Kerala
- d) Karnataka

NOTES: In Tamil Nadu, the 462nd annual Kandoori festival 2019 has started at nearby Nagore Dargah, a famous Muslim pilgrim centre in Nagore. The 14-day long festival began on 6th February after the holy flag was brought in a procession and hoisted. The Kandoori festival is held to commemorate the death anniversary of 16th century saint Hazrath Syed Shahul Hameed Quadir Wali, who migrated from his native Manickapur near Allahabad in Uttar Pradesh and lived in Nagore till his death. As per tradition, one of the five flags was brought from Singapore. The main event of the festival-'Sandanakoodu'(sandal pot) procession- will be held on February 15. The Dargah of Saint Hazrath Syed Shahul Hameed in Nagore is more than 500 years old. Saint Hazrath Syed Shahul Hameed came to Thanjavur on a pilgrimage during the 16th century AD when he cured the illness of the then King of Thanjavur Achuthappa Naicken. The King gifted the saint lands in Nagore where the latter lived for the rest of his life serving the people, irrespective of religion, caste or creed.

तमिलनाडु में, नागौर में प्रसिद्ध मुस्लिम तीर्थस्थल नागौर दरगाह पर 462 वां वार्षिक कंदूरी उत्सव 2019 शुरू हो गया है। पवित्र झंडे को जुलूस में लाने और फहराए जाने के बाद 6 फरवरी से 14 दिनों तक चलने वाला यह त्योहार शुरू हुआ। कंदूरी उत्सव 16 वीं शताब्दी के संत हजरत सैयद शाहुल हमीद कुदिर वली की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित किया जाता है, जो उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद के पास अपने पैतृक मनिकापुर से चले गए और अपनी मृत्यु तक नागौर में रहे। परंपरा के अनुसार, पांच में से एक झंडे को सिंगापुर से लाया गया था। त्योहार का मुख्य कार्यक्रम-'संदनकुडु '(चप्पल बर्तन) जुलूस 15 फरवरी को होगा। नागौर में संत हजरत सैयद शाहुल हमीद की दरगाह 500 साल से अधिक पुरानी है। संत हजरत सैयद शाहुल हमीद 16 वीं शताब्दी ईस्वी के दौरान एक तीर्थयात्रा पर तंजावुर आए थे जब उन्होंने तंजावुर के तत्कालीन राजा अचथप्पा नाइकेन की बीमारी को ठीक किया था। राजा ने नागौर में संतों की भूमि को उपहार में दिया, जहां बाद वाले अपने जीवन के लिए रहते थे, चाहे वह किसी भी धर्म, जाति या पंथ के लोग हों।

Q6. What is the current repo rate, as per RBI's 6th bi-monthly monetary policy statement for 2018-19?

2018-19 के लिए RBI की 6 वीं द्विमासिक मौद्रिक नीति के अनुसार वर्तमान रेपो दर क्या है?

- a) 6.0%
- b) 6.75%
- c) 6.50%
- d) 6.25% ✓

NOTES: The six-member Monetary Policy Committee (MPC), headed by RBI Governor Shaktikanta Das, announced the sixth bi-monthly monetary policy statement for 2018-19. In it, the RBI has cut the key policy rate under the liquidity adjustment facility (LAF) by 25 basis points to 6.25% from 6.5% with immediate effect. Consequently, the reverse repo rate stands adjusted to 6.0%, and the Marginal Standing Facility (MSF) rate and the Bank Rate to 6.5%. The MPC also decided to change the monetary policy stance from calibrated tightening to neutral. These decisions are in consonance with the objective of achieving the medium-term target for consumer price index (CPI) inflation of 4 per cent within a band of +/- 2 per cent, while supporting growth. The bank also projected an economic growth rate of 7.4% for FY20, up from 7.2% estimated for the current fiscal by Central Statistics Office (CSO). This is the first policy review, post the appointment of RBI Governor Shaktikanta Das and also the first post the interim budget. The next meeting of the MPC is scheduled from April 2 to 4, 2019.

RBI गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (MPC) ने 2018-19 के लिए छठी द्विमासिक मौद्रिक नीति वक्तव्य की घोषणा की। इसमें, RBI ने तरलता समायोजन सुविधा (LAF) के तहत प्रमुख नीतिगत दर में तत्काल प्रभाव से 6.5% से 25 आधार अंकों की कटौती की है। नतीजतन, रिवर्स रेपो दर 6.0% और सीमांत स्थायी सुविधा (MSF) दर और बैंक दर 6.5% तक समायोजित होती है। एमपीसी ने मौद्रिक नीति के रुख को कैलिब्रेटेड कड़े से तटस्थ में बदलने का भी फैसला किया। ये निर्णय उपभोक्ता समर्थन सूचकांक (CPI) के लिए मध्यम अवधि के लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से हैं, जो विकास का समर्थन करते हुए +/- 2 प्रतिशत के एक बैंड के भीतर 4 प्रतिशत है। केंद्रीय

सांख्यिकी कार्यालय (सीएसआर) द्वारा चालू वित्त वर्ष के लिए अनुमानित वित्त वर्ष 7.2% से बढ़कर बैंक ने वित्त वर्ष 2015 के लिए 7.4% की आर्थिक विकास दर का अनुमान लगाया है। यह पहली नीति समीक्षा है, आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास की नियुक्ति और अंतरिम बजट के बाद पहली पोस्ट। एमपीसी की अगली बैठक 2 अप्रैल से 4, 2019 तक निर्धारित है।



Q7. Which city was the venue of the 'Parmanu Tech 2019'?

'परमानु टेक 2019' किस शहर का स्थल था?

- a) Kanpur
- b) **New Delhi** ✓
- c) Udaipur
- d) Dehradun

NOTES: The "Parmanu Tech 2019" Conference was organised by the Ministry of External Affairs (MEA) and Department of Atomic Energy (DAE) at New Delhi on February 6. The conference discussed issues related to Nuclear Energy and Radiation Technologies. Dr Jitendra Singh, the Union Minister of State for Atomic Energy and Space, delivered the keynote address at the conference. During the conference sector specific sessions were held with Panel discussions on the following topics: 1) Health care: Nuclear Medicine and Radiation therapy – Care to cure, 2) Food Preservation, Agricultural & Industrial Applications: From farms to factories – Serving the National Cause and 3) Showcasing India's capabilities in Nuclear Energy: Energy Security with environmental responsibility – the Onward March.

विदेश मंत्रालय (MEA) और परमाणु ऊर्जा विभाग (DAE) द्वारा "परमानु टेक 2019" सम्मेलन का आयोजन 6 फरवरी को नई दिल्ली में किया गया था। सम्मेलन में परमाणु ऊर्जा और विकिरण प्रौद्योगिकी से संबंधित मुद्दों पर चर्चा हुई। केंद्रीय ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ। जितेंद्र सिंह ने सम्मेलन में मुख्य भाषण दिया। सम्मेलन क्षेत्र के दौरान निम्नलिखित विषयों पर पैनल चर्चा के साथ विशिष्ट सत्र आयोजित किए गए: 1) स्वास्थ्य देखभाल: परमाणु चिकित्सा और विकिरण चिकित्सा - इलाज के लिए देखभाल, 2) खाद्य संरक्षण, कृषि और औद्योगिक अनुप्रयोग: खेतों से कारखानों तक - राष्ट्रीय कार्य करना और 3) परमाणु ऊर्जा में भारत की क्षमताओं को दर्शाना: पर्यावरणीय जिम्मेदारी के साथ ऊर्जा सुरक्षा - आगे की मार्च।

Q8. Which state government has launched the Zero Fatality Corridor (ZFC)?

किस राज्य सरकार ने जीरो फेटलिटी कॉरिडोर (ZFC) लॉन्च किया है?

- a) Punjab
- b) Assam
- c) **Delhi** ✓
- d) Odisha

NOTES: The Arvind Kejriwal-led Delhi government has recently launched the 'Zero Fatality Corridor' (ZFC) to examine the cause for accidents and crashes on the stretch between Burari Chowk and Bhalswa chowk, located on the outer ring road. The aim of the pilot project is to reduce deaths to near zero levels on this particular stretch. The project will entail a scientific study to reduce the conflict involving pedestrians and cyclists on one hand and the cars and heavy vehicles on the other. The initiative is to be run in partnership with SaveLIFE Foundation, a leading road safety non-profit organization.

अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली दिल्ली सरकार ने हाल ही में बाहरी रिंग रोड पर स्थित बरारी चौक और भलस्वा चौक के बीच होने वाले हादसों और दुर्घटनाओं के कारणों की जांच करने के लिए 'अटल जीरो फेटलिटी कॉरिडोर' (ZFC) लॉन्च किया है। पायलट परियोजना का उद्देश्य इस विशेष खिंचाव पर मौतों को शून्य स्तर तक कम करना है। इस परियोजना में एक तरफ पैदल चलने वालों और साइकिल चालकों से जुड़े संघर्ष को कम करने के लिए एक वैज्ञानिक अध्ययन होगा और दूसरी ओर कारों और भारी वाहनों को शामिल किया जाएगा। सड़क सुरक्षा गैर-लाभकारी संगठन, सेवलाइफ फाउंडेशन के साथ साझेदारी में पहल की जानी है।



Q9. Which country has official declared Siamese fighting fish as its national aquatic animal?

किस देश ने सियामी से लड़ने वाली मछली को आधिकारिक रूप से अपना राष्ट्रीय जलीय जानवर घोषित किया है?

- a) **Thailand** ✓
- b) Indonesia
- c) Vietnam
- d) Malaysia

NOTES: Thailand has official declared the Siamese fighting fish as its national aquatic animal to boost conservation efforts and commercial breeding in the country. Known in the West as a betta fish, the underwater brawler is popular in home aquariums for its iridescent body and many-hued tail. It brings up feelings of nostalgia for older generations in Thailand - which changed its name from Siam in 1939. They remember a time when the fish were traded and sparred in childhood games. The Siamese fighting fish is listed as Vulnerable by the IUCN. Thailand's official national animal is the elephant.

थाईलैंड ने आधिकारिक तौर पर देश में संरक्षण के प्रयासों और वाणिज्यिक प्रजनन को बढ़ावा देने के लिए सियामी लड़ मछली को अपने राष्ट्रीय जलीय जानवर के रूप में घोषित किया है। पश्चिम में एक बेट्टा मछली के रूप में जाना जाता है, पानी के नीचे का विवाद अपने इंद्रधनुषी शरीर और कई-पूछ वाली पूछ के लिए घर के एक्वेरियम में लोकप्रिय है। यह थाईलैंड में पुरानी पीढ़ियों के लिए उदासीनता की भावनाओं को सामने लाता है - जिसने 1939 में इसका नाम सियाम से बदल दिया। वे एक समय याद करते हैं जब मछली का व्यापार किया गया था और बचपन के खेलों में विरल था। सियामी लड़ मछली को IUCN द्वारा कमजोर के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। थाईलैंड का आधिकारिक राष्ट्रीय पशु हाथी है।

Q10. The 52nd Boori Boot Yollo festival 2019 is celebrated by which tribe of Arunachal Pradesh?

अरुणाचल प्रदेश की किस जनजाति द्वारा 52 वां बूरी बूट योलो त्योहार 2019 मनाया जाता है?

- a) Singhpo
- b) Mishmi
- c) **Nyishi** ✓
- d) Apatani

NOTES: The 52nd Boori Boot Yollo festival 2019 has recently celebrated by the Nyishi tribe of Arunachal Pradesh. The fest is observed in the month of February every year to welcome spring and a successful harvest. During this festival, the consecrated soul is summoned to sanctify the people. Apart from it, it is an occasion of mass prayer for prosperity eliminating the possibility of any fatal ailments. The striking feature here is the giant assemblage of people cutting across the barriers of cast, creed, age and sex. The young ones take the lead to be guided by the elders where Nibu (Priest) would perform the rituals. The festival has an anthem which speaks of the sun rising, planets, mighty rivers, flora and fauna. A portion of the lyric deals with the earth which keeps on rotating around the sun along with other heavenly bodies.

अरुणाचल प्रदेश की न्याशी जनजाति द्वारा हाल ही में 52 वां बूरी बूट योलो उत्सव 2019 मनाया गया है। वसंत और एक सफल फसल का स्वागत करने के लिए हर साल फरवरी के महीने में त्योहार मनाया जाता है। इस त्योहार के दौरान, पवित्र आत्मा को लोगों को पवित्र करने के लिए बुलाया जाता है। इसके अलावा, यह किसी भी घातक बीमारियों की संभावना को खत्म करने के लिए समृद्धि के लिए सामूहिक प्रार्थना का अवसर है। यहाँ हड़ताली विशेषता कलाकारों, पंथ, आयु और लिंग के अवरोधों को काटने वाले लोगों का विशाल जमावड़ा है। युवा बुजुर्गों द्वारा निर्देशित होने का नेतृत्व करते हैं जहां निबू (पुजारी) अनुष्ठान करेंगे। उत्सव में एक गान होता है जो सूर्य उदय, ग्रहों, शक्तिशाली नदियों, वनस्पतियों और जीवों की बात करता है। गीत का एक हिस्सा पृथ्वी से संबंधित है जो सूर्य के चारों ओर अन्य स्वर्गीय पिंडों के साथ घूमता रहता है।

Mybookswala

MyBookswala.in

Visit Our Website

**Get More Current Affairs
Latest Courses**

**So many Mock Tests for
your exam preparation**

THE END